सांख्यिकी की विशेषताएं
(Characteristics Of Statistical Data)

<u>Presented By-</u>

Dr. Sweety Jain

Assistent Professor

Economics department

JKP PG College

Muzaffarnagar

समको के प्रमुख लक्षण निम्न प्रकार हैं-

1. समंक तथ्यों के समूह होते हैं:-

श्री होरेस स्क्रिस्ट के विचारों से समंक किसी व्यक्ति या वस्तु विशेष के लिए नही होते हैं अपितु वे किसी समूह के तथ्यों को प्रदर्शित करते हैं। अर्थात यह ऐक व्यक़्ति के लिए कोई संख्या दी जाये तब वह समंक नही होगा, लेकिन एक समूह के लिए दी जाये तब समंक कहेलाने लगेगी।

2. सांख्यिकी साधन प्रस्तुत करती है, निष्कर्ष नही:-

सांख्यिकी केवल साधन प्रस्तुत करती है, निष्कर्ष नही। यदि अनुसन्धानकर्ता की भावना पक्षपातपूर्ण हो, तो सांख्यिकी निष्कर्ष अशुद्ध हो जाते है, क्योंकि ऐसी दशा मे अनुसन्धानकर्ता सदैव ऐसा प्रयास करता है कि परिणाम उसकी पूर्व धारणा के अनुसार हो।

3. समंको को गणना अथवा अनुमान द्वारा संकलित किया जाता है:-

होरेस स्क्रिस्ट का विचार है कि समंको का संकलन या तो साधारण गणना के आधार पर किया जाता है या फिर पूर्व घटनाओं एवं अनुभवो के आधार पर अनुमान लगाकर किया जाता है। यदि समंक संकलन का क्षेत्र सीमित है, तब गणना विधि के द्वारा और यदि क्षेत्र विस्तृत है, तब अनुमानित आधार पर इनका संकलन किया जाता है।

4. सरल एवं संक्षिप्त व्याख्या :-

सांख्यिकी, अनुसंधान के निष्कर्षों व परिणामों में से अनावश्यक एवं अवांछित सामग्री हटाकर उन्हें संक्षिप्त एवं सरल रूप में प्रस्तुत करती हैं।

5. *सामाजिक समस्याओं के समाधान मे सहायक:-*

सांख्यिकी कि सहायता से देश में अशिक्षा, बेकारी, अपराध, भिक्षावृत्ति आदि सामाजिक समस्याओं के सम्बन्ध मे जानकारी प्राप्त की जाती है। साथ ही इन समस्याओं के समाधान के उपाय तथा वे उपाय कहां तक सफल हुए है, इनका पता भी सांख्यिकी की मदद से लगाया जा सकता है।

6. भविष्य के लिए पूर्वानुमान:-

सांख्यिकी के द्वारा पूर्वानुमान भी लगाये जाते है। इसमे वर्तमान तथ्यों का विश्लेषण करके प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर भविष्य के लिए अनुमान लगाये जाते है।

7- समंक परस्पर तुलना योग्य होने चाहिए:-

समंक की अंतिम विशेषता यह है , कि वह सदैव एक दूसरे से संबंधित रूप में प्रस्तुत किए जाने चाहिए ,ताकि उनकी तुलना संभव हो सके। अतः समंक कहलाने के लिए संख्याओं का समय स्थान या परिस्थिति के आधार पर तुलना योग्य होना आवश्यक है।

THANK YOU